



Mr.kirshn

---

15 Mar 1998

08:30 PM

Ballabgarh

Model: web-freekundliweb

Order No: 119869904

लिंग \_\_\_\_\_: पुल्लिंग  
जन्म तिथि \_\_\_\_\_: 15/03/1998  
दिन \_\_\_\_\_: रविवार  
जन्म समय \_\_\_\_\_: 20:30:00 घंटे  
इष्ट \_\_\_\_\_: 34:57:07 घटी  
स्थान \_\_\_\_\_: Ballabgarh  
राज्य \_\_\_\_\_: Haryana  
देश \_\_\_\_\_: India

अक्षांश \_\_\_\_\_: 28:20:00 उत्तर  
रेखांश \_\_\_\_\_: 77:19:00 पूर्व  
मध्य रेखांश \_\_\_\_\_: 82:30:00 पूर्व  
स्थानिक संस्कार \_\_\_\_\_: -00:20:44 घंटे  
ग्रीष्म संस्कार \_\_\_\_\_: 00:00:00 घंटे  
स्थानिक समय \_\_\_\_\_: 20:09:16 घंटे  
वेलान्तर \_\_\_\_\_: -00:09:02 घंटे  
साम्पातिक काल \_\_\_\_\_: 07:41:19 घंटे  
सूर्योदय \_\_\_\_\_: 06:31:09 घंटे  
सूर्यास्त \_\_\_\_\_: 18:28:48 घंटे  
दिनमान \_\_\_\_\_: 11:57:40 घंटे  
सूर्य स्थिति(अयन) \_\_\_\_\_: उत्तरायण  
सूर्य स्थिति(गोल) \_\_\_\_\_: दक्षिण  
ऋतु \_\_\_\_\_: वसन्त  
सूर्य के अंश \_\_\_\_\_: 00:59:33 मीन  
लग्न के अंश \_\_\_\_\_: 28:27:26 कन्या

#### अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति \_\_\_\_\_: कन्या - बुध  
राशि-स्वामी \_\_\_\_\_: कन्या - बुध  
नक्षत्र-चरण \_\_\_\_\_: चित्रा - 2  
नक्षत्र स्वामी \_\_\_\_\_: मंगल  
योग \_\_\_\_\_: ध्रुव  
करण \_\_\_\_\_: वणिज  
गण \_\_\_\_\_: राक्षस  
योनि \_\_\_\_\_: व्याघ्र  
नाड़ी \_\_\_\_\_: मध्य  
वर्ण \_\_\_\_\_: वैश्य  
वश्य \_\_\_\_\_: मानव  
वर्ग \_\_\_\_\_: मूषक  
युँजा \_\_\_\_\_: मध्य  
हंसक \_\_\_\_\_: भूमि  
जन्म नामाक्षर \_\_\_\_\_: पो-पौरुष  
पाया(राशि-नक्षत्र) \_\_\_\_\_: स्वर्ण - रजत  
सूर्य राशि(पाश्चात्य) \_\_\_\_\_: मीन

**पण्डित राजेन्द्र कौशिक जी**

गाँव हीरापुर वाले

9811075424

rajenderkaushik4444@gmail.com

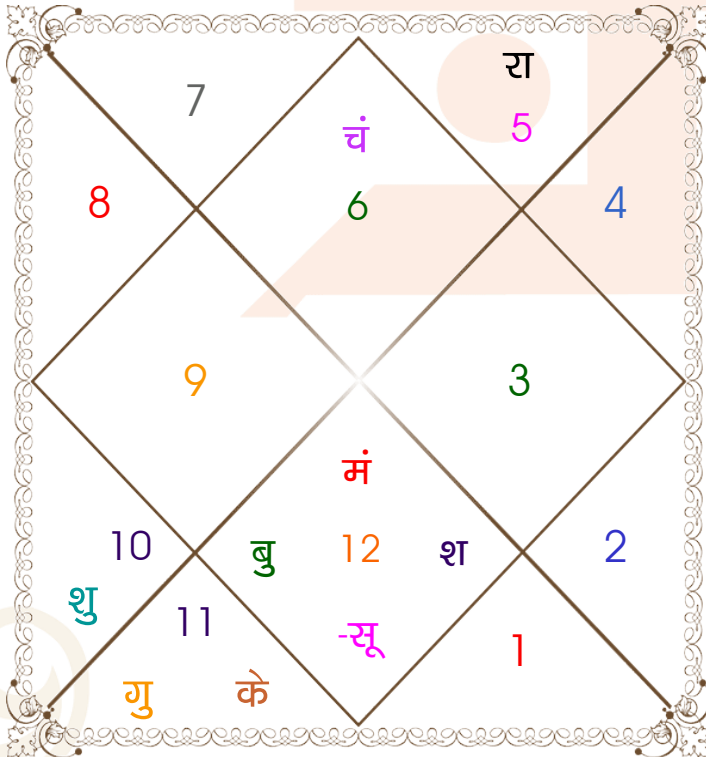
## ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

| ग्रह    | व | अ | राशि   | अंश      | गति       | नक्षत्र     | पद | नं. | रा    | न     | अं.   | स्थिति     |
|---------|---|---|--------|----------|-----------|-------------|----|-----|-------|-------|-------|------------|
| लग्न    |   |   | कन्या  | 28:27:26 | 315:14:01 | चित्रा      | 2  | 14  | बुध   | मंगल  | शनि   | ---        |
| सूर्य   |   |   | मीन    | 00:59:33 | 00:59:46  | पू०भाद्रपद  | 4  | 25  | गुरु  | गुरु  | मंगल  | मित्र राशि |
| चंद्र   |   |   | कन्या  | 27:22:06 | 11:49:29  | चित्रा      | 2  | 14  | बुध   | मंगल  | गुरु  | मित्र राशि |
| मंगल    | अ |   | मीन    | 14:37:11 | 00:46:06  | उ०भाद्रपद   | 4  | 26  | गुरु  | शनि   | राहु  | मित्र राशि |
| बुध     |   |   | मीन    | 18:23:09 | 01:26:17  | रेवती       | 1  | 27  | गुरु  | बुध   | बुध   | नीच राशि   |
| गुरु    |   |   | कुंभ   | 15:33:12 | 00:14:12  | शतभिषा      | 3  | 24  | शनि   | राहु  | शुक्र | सम राशि    |
| शुक्र   |   |   | मक     | 15:08:50 | 00:53:10  | श्रवण       | 2  | 22  | शनि   | चंद्र | गुरु  | मित्र राशि |
| शनि     |   |   | मीन    | 25:56:00 | 00:07:08  | रेवती       | 3  | 27  | गुरु  | बुध   | राहु  | सम राशि    |
| राहु    | व |   | सिंह   | 16:41:28 | 00:02:11  | पू०फाल्गुनी | 2  | 11  | सूर्य | शुक्र | चंद्र | शत्रु राशि |
| केतु    | व |   | कुंभ   | 16:41:28 | 00:02:11  | शतभिषा      | 4  | 24  | शनि   | राहु  | शुक्र | शत्रु राशि |
| हर्ष    |   |   | मक     | 17:21:37 | 00:02:46  | श्रवण       | 3  | 22  | शनि   | चंद्र | शनि   | ---        |
| नेप     |   |   | मक     | 07:40:06 | 00:01:32  | उत्तराषाढ़ा | 4  | 21  | शनि   | सूर्य | केतु  | ---        |
| प्लूटो  | व |   | वृश्चि | 14:13:39 | 00:00:09  | अनुराधा     | 4  | 17  | मंगल  | शनि   | राहु  | ---        |
| दशम भाव |   |   | मिथु   | 29:38:33 | --        | पुनर्वसु    | -- | 7   | बुध   | गुरु  | चंद्र | --         |

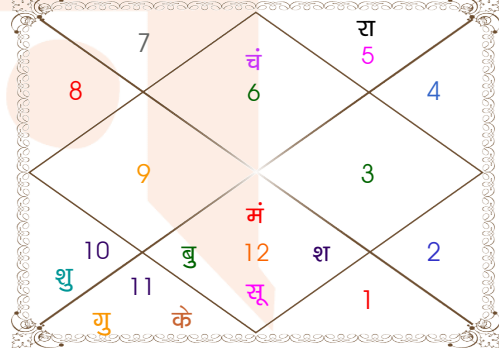
व - वकी स - स्थिर  
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त  
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:49:49

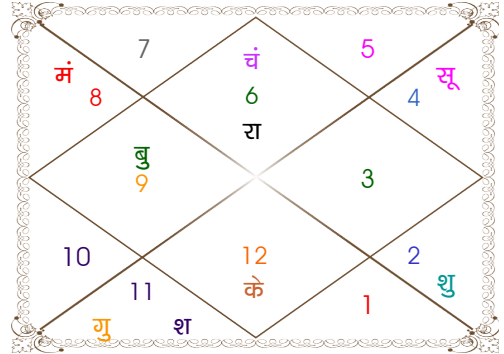
### लग्न-चलित



### चन्द्र कुंडली



### नवमांश कुंडली



पण्डित राजेन्द्र कौशिक जी

गाँव हीरापुर वाले

9811075424

rajenderkaushik4444@gmail.com

## विंशोत्तरी दशा

**भोग्य दशा काल : मंगल 4 वर्ष 10 मास 17 दिन**

| मंगल 7 वर्ष      | राहु 18 वर्ष     | गुरु 16 वर्ष     | शनि 19 वर्ष      | बुध 17 वर्ष      |
|------------------|------------------|------------------|------------------|------------------|
| 15/03/1998       | 31/01/2003       | 31/01/2021       | 31/01/2037       | 01/02/2056       |
| 31/01/2003       | 31/01/2021       | 31/01/2037       | 01/02/2056       | 31/01/2073       |
| 00/00/0000       | राहु 14/10/2005  | गुरु 21/03/2023  | शनि 04/02/2040   | बुध 29/06/2058   |
| 15/03/1998       | गुरु 08/03/2008  | शनि 01/10/2025   | बुध 14/10/2042   | केतु 26/06/2059  |
| गुरु 23/06/1998  | शनि 13/01/2011   | बुध 07/01/2028   | केतु 23/11/2043  | शुक्र 26/04/2062 |
| शनि 02/08/1999   | बुध 01/08/2013   | केतु 13/12/2028  | शुक्र 22/01/2047 | सूर्य 03/03/2063 |
| बुध 29/07/2000   | केतु 20/08/2014  | शुक्र 14/08/2031 | सूर्य 04/01/2048 | चंद्र 01/08/2064 |
| केतु 25/12/2000  | शुक्र 20/08/2017 | सूर्य 01/06/2032 | चंद्र 05/08/2049 | मंगल 29/07/2065  |
| शुक्र 24/02/2002 | सूर्य 14/07/2018 | चंद्र 01/10/2033 | मंगल 13/09/2050  | राहु 16/02/2068  |
| सूर्य 02/07/2002 | चंद्र 13/01/2020 | मंगल 07/09/2034  | राहु 20/07/2053  | गुरु 24/05/2070  |
| चंद्र 31/01/2003 | मंगल 31/01/2021  | राहु 31/01/2037  | गुरु 01/02/2056  | शनि 31/01/2073   |

| केतु 7 वर्ष      | शुक्र 20 वर्ष    | सूर्य 6 वर्ष     | चंद्र 10 वर्ष    | मंगल 7 वर्ष     |
|------------------|------------------|------------------|------------------|-----------------|
| 31/01/2073       | 01/02/2080       | 01/02/2100       | 01/02/2106       | 02/02/2116      |
| 01/02/2080       | 01/02/2100       | 01/02/2106       | 02/02/2116       | 00/00/0000      |
| केतु 29/06/2073  | शुक्र 02/06/2083 | सूर्य 21/05/2100 | चंद्र 02/12/2106 | मंगल 30/06/2116 |
| शुक्र 29/08/2074 | सूर्य 01/06/2084 | चंद्र 20/11/2100 | मंगल 04/07/2107  | राहु 18/07/2117 |
| सूर्य 04/01/2075 | चंद्र 31/01/2086 | मंगल 28/03/2101  | राहु 01/01/2109  | गुरु 16/03/2118 |
| चंद्र 05/08/2075 | मंगल 02/04/2087  | राहु 19/02/2102  | गुरु 03/05/2110  | 00/00/0000      |
| मंगल 01/01/2076  | राहु 02/04/2090  | गुरु 09/12/2102  | शनि 03/12/2111   | 00/00/0000      |
| राहु 19/01/2077  | गुरु 01/12/2092  | शनि 21/11/2103   | बुध 03/05/2113   | 00/00/0000      |
| गुरु 26/12/2077  | शनि 01/02/2096   | बुध 26/09/2104   | केतु 02/12/2113  | 00/00/0000      |
| शनि 03/02/2079   | बुध 01/12/2098   | केतु 01/02/2105  | शुक्र 03/08/2115 | 00/00/0000      |
| बुध 01/02/2080   | केतु 01/02/2100  | शुक्र 01/02/2106 | सूर्य 02/02/2116 | 00/00/0000      |

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 4 वर्ष 10 मा 17 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

**पण्डित राजेन्द्र कौशिक जी**

गाँव हीरापुर वाले

9811075424

rajenderkaushik4444@gmail.com

## लग्न फल

आपका जन्म चित्रा नक्षत्र के द्वितीय चरण में कन्या लग्नोदय काल हुआ था। लग्नोदय के साथ-साथ कन्या का नवमांश एवं वृषभ लग्न का भी उदय आपके जन्मकाल ही हुआ था। कन्या तथा वृष राशि के संयोजन से यह स्पष्ट हो रहा है कि यह सभी संयोग आपके अनुकूल हैं। आपके जन्म का प्रभाव यह भी निश्चित करता है कि आपकी अभिलाषा के अनुरूप आपका जीवन आरामदेह, फलदायी एवं आनन्द प्रियता के साथ व्यतीत हो सकता है।

आपका व्यक्तित्व आकर्षक है। आपकी उन्नत और चौड़ी ललाट तथा प्रभावशाली आंखें आपको सुव्यवस्थित बनाएगा तथा आपके सम्पर्क में आनेवाले सभी प्राणी आपको एवं आपके व्यक्तित्व को पसंद करेंगे।

आप व्यक्तिगत रूप से साहसी एवं व्यवहारिक प्राणी हैं। आप शक्ति संपन्न तथा सामुदायिक भावना के प्राणी हैं। आप किसी भी प्रकार के आयोजनों का दायित्व ग्रहण कर, उस कार्यक्रम अर्थात् योजना को पूर्ण सफल बना सकते हैं। आप में इतनी क्षमता विद्यमान है कि आप बड़ी उपलब्धि प्राप्त करेंगे, परन्तु आप किसी भी वस्तु को सुरक्षित रखने के योग्य नहीं हैं क्योंकि आप मात्र एक अति शक्ति सम्पन्न व्यक्ति ही नहीं बल्कि आप महान खर्चीला अर्थात् धन को (नाश) अपव्यय करने वाले प्राणी हैं। आप सदैव प्रभावशाली तरीके से किसी भी आयोजनों में सम्मिलित होकर मुफ्त में विशिष्टता प्राप्त करते हो। आप स्वयं के लिए तथा अपने परिवारिक सदस्यों के लिए अपने ढंग से वस्त्राभूषणादि पर बहुत खर्च करेंगे। सम्प्रति आप ऐसा चाहते हैं कि हर परिस्थिति में अधिक से अधिक बहुत व्यय करें जो सामान्य जीवन के लिए उपयुक्त हैं।

तथापि आपमें एक छोटी सी नकारात्मक भावना विद्यमान है तथा यदा कदा आप सहजता पूर्वक इसे सहज समझ लेते हो। जब इस के संबंध में सावधानी बरतना अपेक्षित हो जाता है तो इस विषय को स्थगित कर देते हैं। आपको अपनी अकर्मण्यता वाली मुद्रा का परित्याग करना होगा। तब ही आप अपने कार्य व्यवसाय के संबंध में एकाग्रता प्राप्त कर सकेंगे। यह आपके लिए उच्चतम लाभजनक स्थिति प्रमाणित होगी। विशेषतः आपके जीवन का 33 वें से 38 वें वर्ष तक आप सफलता की पराकाष्ठा तक पहुंच सकते हैं।

आप उच्चकोटि के धार्मिक प्राणी हैं। आप पराविज्ञान एवं ज्योतिष विज्ञान का ज्ञान प्राप्त करने के प्रति रुचिवान तथा आकर्षित हैं। आपकी धारणा परोपकारी कार्य के सम्पादन संबंध में तथा पिछड़े लोगों तथा दुर्बल श्रेणी के व्यक्तियों को मदद करने की रहती है।

आपके संबंध में गम्भीर रूप से विचारणीय है कि आप समसामयिकी अनुकूल व्यंग विनोद प्रिय वार्त्तालाप करके जन सामान्य के द्वारा उच्च मूल्यांकित किए जाते हैं। अर्थोपार्जन के लिए आप निश्चित दिशा सुनिश्चित कर चुके हैं। आप सदैव अपनी पत्नी एवं सन्तान से युक्त सुखद घरेलू जीवन का आनन्द प्राप्त करेंगे।

आपके लिए उपयुक्त व्यवसायों में अच्छी प्रकार व्यवहारणीय धन्धा यथा खेल-कूद

की सामग्री, मोटर पार्ट्स के अतिरिक्त पार्ट्स का व्यवसाय करना उत्तम होगा। पार्टनरशिप के व्यवसाय हेतु बुद्धिमान व्यक्ति के साथ संबंधित होकर वस्त्र विक्रय तथा आभूषण रत्नादि का धन्धा भी अनुकूल हो सकता है। यदि आप कोई नौकरी करना चाहते हैं तो चिकित्सक, अभियंता, वैज्ञानिक एवं रत्नाकर की सेवा धन्धा प्रारंभ कर सकते हैं।

आपका स्वास्थ्य निःसन्देह अति उत्तम रहेगा। परन्तु कुछ वर्षों के पश्चात् शरीर का वाह्य सतह अन्य प्रकार के रोगादि से प्रभावित हो सकता है। आप किडनी या मूत्रासय रोग से भी ग्रसित न हों। अस्तु इन संभावित रोगादि के प्रकोप से सतर्क रहे।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन बुधवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरुवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नहीं है। शनिवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए भाग्यशाली रंग पीला, सफेद, सूआपंखी एवं हरा रंग उत्तम है। इसके अतिरिक्त रंग लाल, काला एवं नीला रंग त्याजनीय है। आपके लिए अंकों में 2, 3, 5, 6 एवं 7 अंक आपके लिए लाभप्रद है। परन्तु अंक 1 एवं 8 अंक हानिकारक है।

